



Mr.chandranshu



Ms.manisha

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120346001

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
15/02/1994 :	जन्म तिथि	: 22/07/1993
मंगलवार :	दिन	: गुरुवार
घंटे 13:20:00 :	जन्म समय	: 13:06:00 घंटे
घटी 16:56:49 :	जन्म समय(घटी)	: 19:24:36 घटी
India :	देश	: India
Varanasi :	स्थान	: Bareilly
25:20:00 उत्तर :	अक्षांश	: 28:20:00 उत्तर
83:00:00 पूर्व :	रेखांश	: 79:24:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे 00:02:00 :	स्थानिक संस्कार	: -00:12:24 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:33:16 :	सूर्योदय	: 05:28:44
17:51:20 :	सूर्यास्त	: 19:08:31
23:46:46 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:46:19
मिथुन :	लग्न	: तुला
बुध :	लग्न लग्नाधिपति	: शुक्र
मीन :	राशि	: सिंह
गुरु :	राशि-स्वामी	: सूर्य
रेवती :	नक्षत्र	: पू०फाल्गुनी
बुध :	नक्षत्र स्वामी	: शुक्र
3 :	चरण	: 1
शुभ :	योग	: वरियान
बव :	करण	: वणिज
चा-चाणक्य :	जन्म नामाक्षर	: मो-मोहिनी
कुम्भ :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कर्क
विप्र :	वर्ण	: क्षत्रिय
जलचर :	वश्य	: वनचर
गज :	योनि	: मूषक
देव :	गण	: मनुष्य
अन्त्य :	नाड़ी	: मध्य
सिंह :	वर्ग	: मूषक

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
बुध 5वर्ष 6मा 20दि
शुक्र

07/09/2006

07/09/2026

शुक्र	06/01/2010
सूर्य	06/01/2011
चन्द्र	06/09/2012
मंगल	06/11/2013
राहु	06/11/2016
गुरु	08/07/2019
शनि	07/09/2022
बुध	07/07/2025
केतु	07/09/2026

अंश

03:51:31
02:37:25
25:38:29
20:24:14
12:25:17
20:36:12
09:39:10
08:17:14
04:32:13
04:32:13
00:24:23
28:20:16
04:14:06

राशि

मिथु
कुंभ
मीन
मक
कुंभ व
तुला
कुंभ
कुंभ
वृश्चि व
वृष व
मक
धनु
वृश्चि

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध व
गुरु
शुक्र
शनि व
राहु व
केतु व
हर्ष व
नेप व
प्लूटो व

राशि

तुला
कर्क
सिंह
सिंह
मिथु
कन्या
वृष
कुंभ
वृश्चि
वृष
धनु
धनु
तुला

अंश

14:14:10
05:44:27
14:17:23
23:24:20
24:57:19
14:36:52
24:11:05
05:11:49
17:17:58
17:17:58
26:02:49
25:43:12
28:59:08

विंशोत्तरी

शुक्र 18वर्ष 6मा 23दि
चन्द्र

14/02/2018

14/02/2028

चन्द्र	15/12/2018
मंगल	16/07/2019
राहु	14/01/2021
गुरु	16/05/2022
शनि	15/12/2023
बुध	16/05/2025
केतु	15/12/2025
शुक्र	15/08/2027
सूर्य	14/02/2028

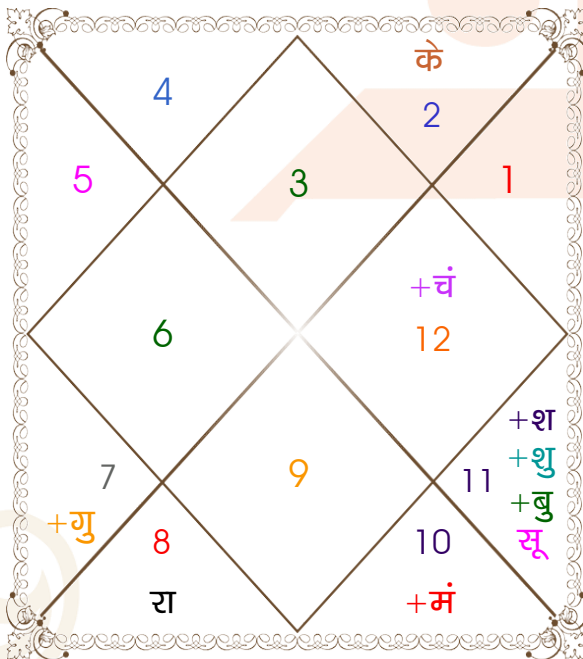
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

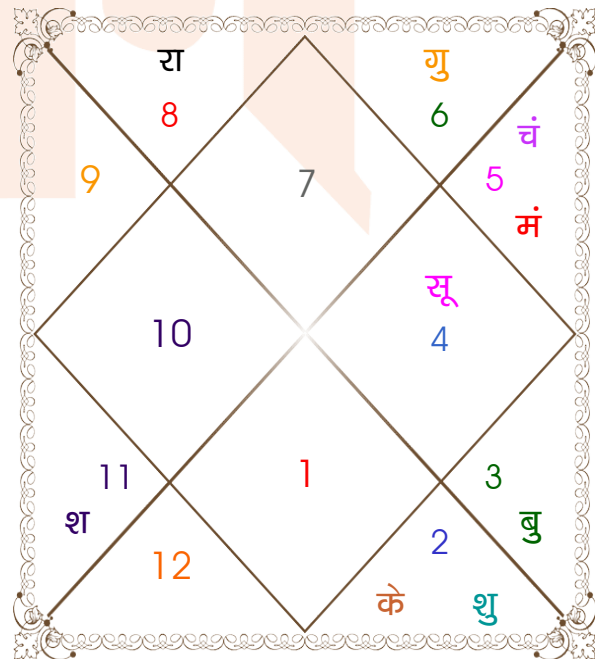
राहु : स्पष्ट

23:46:46 चित्रपक्षीय अयनांश 23:46:19

लग्न-चलित



लग्न-चलित



Nakshatra jyotish Ratan kendra

C-10 Rajendra Nagar Bareilly

919458160000

amitkalra40@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

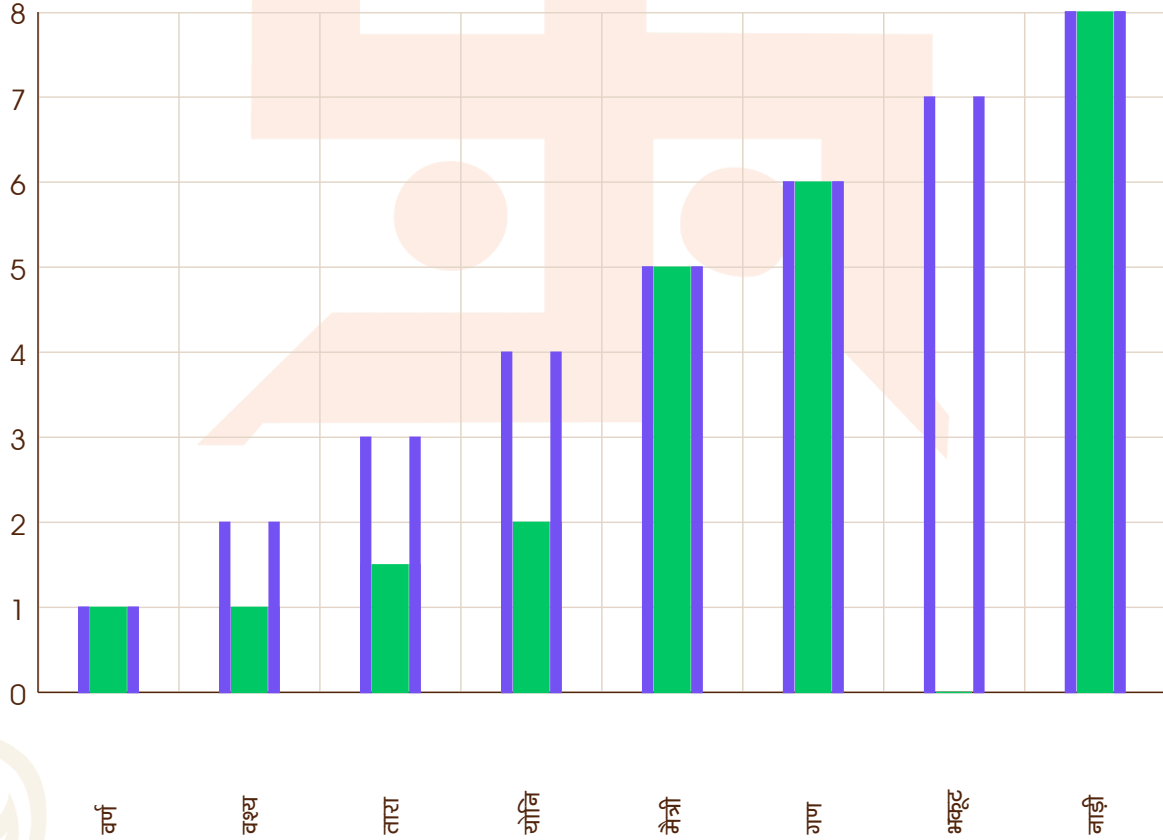
कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	वनचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान

कुल :

36

24.50

कुल : 24.5 / 36



अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr.chandranshu का वर्ग सिंह है तथा Ms.manisha का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.chandranshu और Ms.manisha का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.chandranshu मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.chandranshu कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.manisha मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.manisha कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.chandranshu तथा Ms.manisha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.chandranshu का वर्ण ब्राह्मण तथा Ms.manisha का वर्ण क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके प्रभाव से Ms.manisha में अपने पति के प्रति अगाध प्रेम, श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी। कभी-कभी क्षत्रिय खून की गर्मी भी समय-समय पर उबाल मारने के कारण समय-समय पर Ms.manisha आक्रामक व्यवहार कर सकती हैं हालांकि उनका व्यवहार कभी भी अनियंत्रित नहीं होगा। Ms.manisha सदैव अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन भली-भांति करती रहेंगी तथा वे सदैव प्रशंसा की पात्र रहेंगी।

वश्य

Mr.chandranshu का वश्य जलचर है एवं Ms.manisha का वश्य वनचर है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। जलचर एवं वनचर दो भिन्न वश्य हैं किंतु दोनों एक-दूसरे को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे हालांकि उनके स्वभाव, गुण, खान-पान एवं व्यवहार एक-दूसरे से बिल्कुल भिन्न होंगे। जलचर Mr.chandranshu एवं वनचर Ms.manisha का विवाह होने से दोनों के विचारों, पसंद/नापसंद में भिन्नता होने के बावजूद दोनों आपस में समझौता कर एवं सामंजस्य स्थापित कर खुशी पूर्वक जीवन व्यतीत करते रहेंगे।

तारा

Mr.chandranshu की तारा मित्र तथा Ms.manisha की तारा विपत है। Ms.manisha की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान Mr.chandranshu एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि Ms.manisha का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठाएंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

Mr.chandranshu की योनि गज है तथा Ms.manisha की योनि मूषक है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है।

बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.chandranshu एवं Ms.manisha दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Mr.chandranshu एवं Ms.manisha के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Mr.chandranshu एवं Ms.manisha जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Mr.chandranshu का गण देव तथा Ms.manisha का गण मनुष्य है। अर्थात् दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Ms.manisha अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

Mr.chandranshu से Ms.manisha की राशि षष्ठम भाव में स्थित है तथा Ms.manisha से Mr.chandranshu की राशि अष्टम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। जिसके कारण Mr.chandranshu लाइलाज बीमारी से ग्रस्त हो सकते हैं तथा अक्सर उनके जलने अथवा दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना बनी रहेगी। Ms.manisha को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं तथा परिवार के सदस्यों से वैमनस्य होने की संभावना भी रहेगी। पति-पत्नी के बीच वैचारिक मतभेद रह सकते

हैं तथा अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे। दोनों के बीच तनावपूर्ण स्थिति पूरे परिवार के लिए समस्या एवं पीड़ा बन जायेगी। मुकदमेबाजी होने से अलगाव एवं तलाक की संभावना भी रहेगी।

नाड़ी

Mr.chandranshu की नाड़ी अन्त्य है तथा Ms.manisha की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।



मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.chandranshu की जन्म राशि जलतत्व युक्त मीन तथा Ms.manisha की राशि अग्नि तत्व युक्त सिंह राशि है। जल एवं अग्नि तत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनमें स्वभावगत असमानताएं होंगी जिससे दाम्पत्य संबंधों में न्यूनता रहेगी तथा वैवाहिक सुख भी मध्यम ही होगा। अतः यह मिलान मध्यम रहेगा।

Mr.chandranshu की राशि का स्वामी बृहस्पति तथा Ms.manisha की राशि का स्वामी सूर्य परस्पर मित्र राशियों में स्थित हैं। अतः इसके प्रभाव से इनके मध्य प्रेम सहानुभूति एवं समर्पण का भाव रहेगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। Mr.chandranshu और Ms.manisha एक दूसरे के गुणों की मुक्त भाव से प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे परस्पर संबंधों में प्रगाढ़ता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति त्याग तथा विश्वास का भाव विद्यमान रहेगा फलतः वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा।

Mr.chandranshu और Ms.manisha की राशियां परस्पर षष्ठ एवं अष्टम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह प्रबल भकूट दोष माना जाता है। इसके अशुभ प्रभाव से उपरोक्त शुभ फलों में यदा कदा अल्पता आएगी तथा संबंधों में तनाव तथा कटुता का भाव उत्पन्न होगा। साथ ही परस्पर अहंकार तथा श्रेष्ठता के भाव से एक दूसरे के अस्तित्व को हीन समझने का प्रयास करेंगे। अतः दाम्पत्य जीवन में अशांति रहेगी। यदि Mr.chandranshu और Ms.manisha परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का परिचय दें तथा उचित व्यवहार करें तो अशुभ प्रभावों में न्यूनता की अनुभूति होगी।

Mr.chandranshu का वश्य जलचर तथा Ms.manisha का वश्य वनचर है। इन दोनों की परस्पर मित्रता होने के कारण Mr.chandranshu और Ms.manisha की अभिरुचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं समान रहेंगी। फलतः काम संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे जिससे जीवन की प्रसन्नता बनी रहेगी।

Mr.chandranshu का वर्ण ब्राह्मण तथा Ms.manisha का वर्ण क्षत्रिय है। अतः Mr.chandranshu की प्रवृत्ति शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्यों में रहेगी जबकि Ms.manisha साहसिक तथा पराकमी कार्यों को सम्पन्न करने में प्रवृत्त होंगी फलतः कार्य क्षेत्र की सुदृढ़ता बनी रहेगी।

धन

Mr.chandranshu और Ms.manisha दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके आर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य

जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr.chandranshu की नाड़ी अन्य तथा Ms.manisha की नाड़ी मध्य है। अतः नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे तथा इसका इनके स्वास्थ्य पर कोई प्रभाव नहीं होगा परन्तु मंगल का Ms.manisha के स्वास्थ्य पर विशेष अशुभ प्रभाव रहेगा। इससे वे रक्त या पित संबंधी परेशानियां प्राप्त करेंगी तथा गुप्त या धातु संबंधी रोगों का भी उन्हें सामना करना पड़ सकता है। साथ ही मासिक धर्म संबंधी अनियमिता से भी कष्ट की अनुभूति करेंगी। अतः इन प्रभावों में न्यूनता लाने के लिए Ms.manisha को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr.chandranshu और Ms.manisha का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr.chandranshu और Ms.manisha के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms.manisha के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms.manisha को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms.manisha को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr.chandranshu और Ms.manisha सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमत्ता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr.chandranshu और Ms.manisha का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.manisha के सास से प्रायः अच्छे संबंध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Ms.manisha के लिए अनुकरणीय हो सकते हैं। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Ms.manisha अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबंध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Ms.manisha के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

Mr.chandranshu तथा उनकी सास के आपसी संबंधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबंधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में Mr.chandranshu के संबंध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह Mr.chandranshu को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही Mr.chandranshu के संबंध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण Mr.chandranshu के प्रति अनुकूल ही रहेगा।